No. of Printed Pages : 3 **MJY–007**

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)
(एम. ए. जे. वाई.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2024
एम.जे.वाई.-007 : संहिता ज्योतिष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

3×20=60

1. संहिता स्कन्ध का परिचय देते हुए संहिता स्कन्ध के प्रमुख विषयों का वर्णन कीजिए।

2. दैवज्ञ-लक्षणों का विस्तृत परिचय दीजिए।

3. आचार्य वराहमिहिर का परिचय देते हुए 'बृहत्संहिता' ग्रन्थ का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

4. आदित्यचार का परिचय देते हुए विविध नक्षत्रगत सूर्य का फल वर्णित कीजिए।

5. प्राकृतिक आपदाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए दिव्य, भौम, अन्तरिक्ष उत्पातों का विवेचन कीजिए।

6. वृक्षायुर्वेद का सामान्य परिचय देते हुए वृक्ष तथा वाटिका लगाने के लिए भूमिचयन का प्रतिपादन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

4×10=40

1. दकार्गल का परिचय देते हुए जलप्राप्ति के लक्षण ज्ञानार्थ क्षेत्र विभागों का वर्णन कीजिए।

2. सप्तर्षिचार का संक्षिप्त परिचय देते हुए अर्वाचीन मत में सप्तर्षि के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. अगस्त्यचार का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

4. ग्रस्त भौमादि पञ्चग्रहों का फल वर्णित कीजिए।

5. शुक्र के **छः** मण्डलों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

6. बृहस्पतिवार का परिचय देते हुए बृहस्पति के बारह वर्षों के नाम और फल का वर्णन कीजिए।

7. बुध की सात गतियों का वर्णन कीजिए।

8. शुक्रादि ग्रहों से वेधित चन्द्रबिम्ब का फल वर्णित कीजिए।

× × × × × × ×